802

Total Pages : 3 Roll No. .....

DVS-104

वास्तुशास्त्र में विभिन्न साधन एवं अन्य विचार

Diploma in Vastu Shashtra (DVS-20)

1st Year Examination, 2021 (Winter)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. वृहद्वास्तुमाला के अनुसार वर्ग विचार को सविस्तार उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए?

2. आय के स्वरूप एवं वर्ण के आधार पर उसके विचार का वर्णन करें?

3. पिण्ड के स्वरूप व पिण्ड साधन के प्रकार को लिखिए?

4. दैर्ध्य-विस्तृति के आधार पर राजगृहों के भेदों को प्रतिपादित कीजिए?

5. द्वार के भेद तथा आठों द्वारों के फल का विवेचन कीजिए?

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. गृह के मुख्य द्वार के स्वरूप का वर्णन करें?

2. वृहतसंहिता के अनुसार द्वारों का शुभाशुभ वर्णन कीजिए?

3. घर में जलसंग्रह का स्थान व जल निकासी की दिशाओं को प्रतिपादित कीजिए?

4. गृह की अष्टोत्तरी दशा का वर्णन करें?

5. दिशाओं के विभिन्न दोषों का निरूपण कीजिए?

6. रसोईघर के दोषों का निदान कैसे किया जाता है? समझाते हुए लिखिए।

7. वास्तु पूजन क्यों आवश्यक है? उससे होने वाले लाभ को बताइए?

8. वास्तु के आधारभूत तत्वों का विवेचन कीजिए?